ग्रहसंकेत

ज्योतिष कार्यालय

(कृष्णमूर्ती सिद्धांतोंपर आधारित)

फोन का समय : सिर्फ शाम ५ से रात्री १० तक
फोन के दिये गये समयपरही संपर्क करना अनिवार्य है ।

भूषण सांभ शिखरे (पवईकर)
भ्रमण दूरध्वनी / : 09422268596

निनाद भूषण शिखरे (पवईकर)
भ्रमण दूरध्वनी / : 08149471194

417, ग्रहसंकेत, सत्यनारायण मंदिर के पास, मेनरोड,
श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर, जि. नासिक दूरध्वनी : (02594) 233014.

त्रिदिवसीय पितृदोष
(नाराणबली - नागबली और त्रिपिंडी श्राध्द)
विधीके 2026 साल के मुहूरत

जनवरी 2026	=	2, 5, 8, 11, 16, 20, 26, 29
फरवरी 2026	=	1, 4, 7, 10, 13, 16
मार्च 2026	=	1, 5, 8, 11, 15, 21, 25, 28, 31
अप्रैल 2026	=	3, 6, 9, 12, (17), 20, 24, 27, 30
मई 2026	=	3, 6, 9, 15, अधिक मास के कारण कोई महुरत नही है
जून 2026	=	अधिक मास के कारण कोई महुरत नही है 15, 18, 22, 25, 28
जुलाई 2026	=	2, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27, 30
अगस्त 2026	=	5, 8, (11), 14, 18, 21, 26
सितंबर 2026	=	1, 4, 8, 12, 20, 22, (28)
अक्टूबर 2026	=	1, 5, 8, 26, 29
नवंबर 2026	=	1, 4, 13, 16, 22, 26, 29
दिसंबर 2026	=	(3), 6, 10, 13, 20, 23, 26, 29

कालसर्प शांती और जनन शांती
विधीके 2026 साल के मुहूरत

जनवरी 2026	=	4, 7, 10, 18, 19, 23, 28
फरवरी 2026	=	3, 6, 9, 12, 15, 19
मार्च 2026	=	3, 7, 10, 13, 17, 19, 23, 27, 30
अप्रैल 2026	=	2, 5, 8, 11, 14, 16, 19, 22, 26, 29
मई 2026	=	2, 5, 8, 11, 13, 17, 19, 21, 23, 24, 26, 28
जून 2026	=	1, 3, 5, 7, 9, 11, 13, 14, 17, 20, 24, 27, 30
जुलाई 2026	=	4, 6, 8, 11, 14, 17, 20, 23, 26, 29
अगस्त 2026	=	3, 7, 10, 13, 17 (नागपंचमी), 20, 22, 25, 29, 30
सितंबर 2026	=	3, 6, 10, 13, 22, 24, 26
अक्टूबर 2026	=	23, 28, 30
नवंबर 2026	=	3, 7, 15, 19, 21, 24, 28
दिसंबर 2026	=	1, 5, 8, 12, 16, 18, 22, 25, 28, 31

www.kalsarpyog.com
E-mail : bhushanshikhare@gmail.com

गुगल के ॲण्ड्रॉईड प्ले पर दो
(kalsarpyog & pitrudosh)
नामसे हम आपके सेवा में हाजीर है ।

विशेष निवेदन

श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वरमें होनेवाले सभी धार्मिक पुजाविधीकी अगर आपको बराबरी करनी ही है तो पुजाकी दक्षिणा से ना करे । बल्की पुजाविधी की गुणवत्तासे जरूर करे, क्यो सभी गुरूजी दक्षिणा लेते है, मगर गुणवत्ता सभी देते क्या, यही बात आपकी सही सोच और सुज्ञताके उपर यथायोग्य निर्णय लेना, यह सदासर्वदा आपके सकारात्मकपर ही निर्भर हैं।

अपने खुदके घरके सभी तरीके के परेशानी देखकर आपको जो सही मुहूरत लगे उसमें से एक मुहूरत फिक्स करके हमें दस दिन पहले फोन करके बताना अनिवार्य है। उस मुहूरत एक दिनपूर्व शाम पाच बजेतक त्र्यंबकेश्वरमें आना जरूरी है। बाकीकी अधिक जानकारी फोनपर पुछ लें।

त्रिपिंडी श्राध्द यह ऐसा कभीभी कर सकते है । अगर नियमोसे देखे तो दोनो पक्ष के (शुक्ल या कृष्ण) चतुर्थी, अष्टमी, एकादशी, चतुर्दशी इन तिथीओंको अनन्य महत्व प्राप्त है ।

जरूरी विशेष सुचनाए –

1) 17/07/2026 से 09/08/2026 इस दौरान गुरु का अस्तमान है ।
2) 14/12/2025 से 30/01/2026 और 16/10/2026 से 27/10/2026 इस दौरान शुक्र का अस्तमान है ।
3) 17/05/2026 से 15/06/2026 इस दौरान अधिक मास है ।
4) आप जो भी विधी कर रहे उसपर आपका पुरी श्रध्दा होनी जरूरी है । क्योंकी यह श्रध्दा काही फल है । अगर श्रध्दा न हो तो किसी भी विधी करने का मतलब ही नही है ।
5) ज्यादा बेफिजुल, बेतुकी ज्यादा पुछताछ किए बिना गुरूजी से सिधा सवाल करे । बेफिजुल, बेतुकी सवाल करके स्वयं कृपया अपना अपमान न करवाए ।
6) जिस–जिस की कुंडली में दोष होगा उस हर व्यक्तीको अलग–अलग पुजा–विधी करवाना होगा और यही सही नियम भी है । (अर्थात पिता–पुत्र को अन्यथा सगे भाई हो तो भी पुजा–विधी अलग–अलगही होगी ।)
7) समय–समय पर आपको गुरूजी द्वारा बताये गए नियमोंको (सुचना) आप सभी लोग सही तरीकोंसे पालन करें ।
8) नारायणबली – नागबली, त्रिपिंडी श्राध्द, कालसर्प शांती यह तीनोंभी विधी पुरे के पुरे अलग ही है । इन तीनों विधीका एक–दुसरे के साथ किसीभी प्रकार का संबंध नही है, यह बात पहलेही जानकर उपरांतही पुजा–विधी करवाए ।
9) कौनसी भी विधी करने से पहले स्त्रियोंकी माहवारी की अडचणे न आये यह देखकरही मुहूरत नक्की करें ।
10) बरसात के वक्त में छाता और रेनकोट और जाडो (थंडे) के मौसम में शॉल तथा स्वेटर लाना अनिवार्यही है । बिमार लोगोंने डॉक्टरकी सलाह से ही पुजा में बैठे और साथ में अपनी दवाईयाँ भी साथ में रखना भी जरूरी है । अगर हो सके तो अपनी बिमारी के गुरूजी को पूवसुचना देना भी जरूरी है ।
11) गुरु और शुक्र के अस्तमान के दौरान संतान प्राप्ती हेतु लोग नारायणबली–नागबली और त्रिपिंडी श्राध्द पुजा–विधी ना ही करे, यह बात जरूर ध्यान रखे । संतान प्राप्ती हेतु लोग दोनों नारायणबली–नागबली और त्रिपिंडी श्राद्ध पुजा–विधी करें ।
12) गणपती में 7 (सात) दिन, नवरात्री में 10 (दस) दिन, दिवाली में 5 (पाच) दिन हम किसीभी प्रकार के धार्मिक विधी करते नही ।
13) अपने स्वयंम् के घर में बेटे–बेटी की, भाई–बहेन शादी होने के उपरांत एक साल तक नारायणबली–नागबली नही कर सकते ।
14) अपने स्वयंम् के घर में माता–पिता, भाई–भाभी, चाचा–चाची इनकी मृत्यु होनेके उपरांत भी आप एक साल तक नारायणबली–नागबली और त्रिपिंडी श्राध्द पुजा–विधी नही कर सकते ।
15) नारायणबली –नागबली यह विधी ढाई घंटे का तीन दिन का पुजा–विधी है और त्रिपिंडी श्राध्द और कालसर्प शांती यह एक दिन का पुजा–विधी है ।

(विशेष रूपसे श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर में पधारनेवाले श्रध्दालु भाविकोंको जरूरी अत्यावश्यक सुचना)

1) नागपंचमी में कालसर्पयोग शांती का और पितृपक्ष में नारायणबली–नागबली और त्रिपिंडी श्राध्द पुजा–विधी बहुतही अहम महत्व मानना १००% गलत और पूर्णत: मुर्खता है । इस में कोई भी शास्त्राधार भी नही होने के कारण इन जैसे अफवों पर आप कृपया भरोसा बिलकुल ना करे ।
2) दक्षिण भारत में सिर्फ श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर मूलगोदावरी के अलावा किसी स्थान में सिंहस्थ कुंभमेला होता ही नही यह बात हर श्रध्दालु भाविक ध्यान रखे । अगला सिंहस्थ कुंभमेला 14/07/2027 से 11/08/2028 इस तारीखों के बीच में ही श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर में ही होने वाला है मगर एक बात जरूर ध्यान रखे की कुंभमेला नासिकमें बिलकुल भी नही होता ।
3) श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर में आज ऐसे भी अनाधिकृत बोगस पुरोहित (ब्राम्हण) है यह हम यहाँ के सभी विधी करवाते है ऐसा झूठ बोलकर पैसे ऐठ लेते है । हर श्रद्धालु भाविक अच्छी तरह ध्यान रखे की, आप जिन के पास पुजा–विधी करवा रहे है उनके पास अधिकृत (रजिस्टर) अधिकारपत्र और अधिकृत लोगो है या नही यह जाँच – परख करके ही भरोसा करे ।